02

एक नजर में उपलब्धियां

- रिकॉर्ड कोयला उत्पादन प्राप्त करना और इस तरह देश भर में ताप विद्युत संयंत्रों और अन्य क्षेत्रों को पर्याप्त कोयले की आपूर्ति सुनिश्चित करना, भारत की ऊर्जा सुरक्षा को और बढ़ावा देने के लिए अभिनव नीतिगत सुधार लाना वर्ष 2023 के दौरान हमारे कोयला क्षेत्र की कुछ उल्लेखनीय उपलब्धियां थीं।
- कैलेंडर वर्ष 2023 के लिए अखिल भारत कोयला उत्पादन 968.61 मिलियन टन (मि.ट.) (अनंतिम) है, जो कि पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान 864.26 मिलियन टन की तुलना में लगभग 12.07% की वृद्धि है।
- कैलेंडर वर्ष 2023 के लिए अखिल भारत कोयला प्रेषण 950.13 मिलियन टन (मि.ट.) (अनंतिम) है, जो कि पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान 860.19 मि.ट. कोयले की तुलना में लगभग 10.46% की वृद्धि है।
- पारदर्शी वाणिज्यिक कोयला खान नीलामी के तहत वर्ष 2015 से 157 कोयला खानों का सफल आवंटन, देश के विभिन्न हिस्सों में इन्वेस्टर्स कॉन्क्लेव आयोजित करना, भेल, आईओसीएल, गेल (इंडिया) जैसे प्रमुख संगठनों के साथ कोयला गैसीकरण परियोजनाओं के लिए महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करना वर्ष के दौरान कोयला मंत्रालय की उपलब्धियों के कुछ प्रमुख आकर्षण हैं।
- नामानिद्रिष्ट प्राधिकारी द्वारा आवंटित कोयला ब्लॉकों से दिसंबर 2023 तक कुल सृजित राजस्व 18154.79 करोड़ (रॉयल्टी, कर, उपकर आदि को छोडकर) है।
- अब तक वाणिज्यिक खनन के अंतर्गत 222 एमटीपीए की पीक रेटेड क्षमता (पीआरसी) वाली कुल 91 कोयला खानों की सफलतापूर्वक नीलामी की गई है। एक बार पूरी तरह से चालू होने के बाद इन खानों से पीआरसी आधार पर की गई गणना पर 33,086 करोड़ रूपये का वार्षिक राजस्व सृजित होगा तथा 3,00,137 व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा।
- कैलेंडर वर्ष 2023 के दौरान सीआईएल, एससीसीएल और एनएलसीआईएल का कुल पूंजीगत व्यय 26780.88 करोड़ था।
- प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने दो पिट–हेड ताप विद्युत संयंत्रों (i) अमरकंटक ताप विद्युत संयंत्र, अनूपपुर जिला, मध्य प्रदेश में 1x660 मे.वा. सुपरक्रिटिकल कोयला– आधारित ताप विद्युत संयंत्र (टीपीपी) (ii) सुंदरगढ़ जिला, ओडिशा में 2x800 मे.वा. सुपरक्रिटिकल ताप संयंत्र में इक्विटी निवेश हेतु प्रस्ताव का अनुमोदन किया है।
- स्मार्ट और ग्रीनर इन्फ्रास्ट्रक्चर की दिशा में आगे बढ़ते हुए, **291 एमटीपीए क्षमता वाली 31 फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी (एफएमसी) परियोजनाएं और कोयले की निकासी के लिए शुरू की गई 15 रेलवे परियोजनाओं में से 3 रेलवे परियोजनाएं चालू की गई।**
- जनवरी, 2023 से नवंबर, 2023 के दौरान, सामुदायिक उद्देश्यों के लिए 2,513 एलकेएल शोधित खान जल की आपूर्ति की गई है, जिसमें से 1,193 एलकेएल की आपूर्ति पीने के उद्देश्य के लिए और 2,320 एलकेएल की आपूर्ति सिंचाई उद्देश्यों के लिए की गई है।
- जनवरी, 2023 से नवंबर, 2023 के दौरान कोयला/लिग्नाइट पीएसयू ने 2,711 हेक्टेयर में 53.48 लाख पौधे लगाए।
- जनवरी, 2023 से नवंबर, 2023 के दौरान कोयला/लिग्नाइट पीएसयू ने 4 इको–पार्क/खान पर्यटन स्थल विकसित किए।